पाँचवें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन और दूसरे पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने हेतु फिलिपीन्स रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री जी का वक्तव्य

दिनांक 13 जनवरी, 2007
नई दिल्ली

मैं पाँचवें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन और दूसरे पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए सेबू, फिलिपीन्स की यात्रा पर जा रहा हूं। इन दोनों शिखर सम्मेलनों में शिरकत करना भारतीय विदेश नीति की पूर्व की ओर बढ़ते कदमों और दक्षिण-पूर्व एशिया तथा पूर्व एशिया के देशों के साथ भागीदारी बढ़ाने की हमारी इच्छा को प्रकट करता है।

मैं सेबु में 14 जनवरी को पांचवें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन में और उसके बाद अगले दिन दूसरे पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा। भारत-आसियान शिखर सम्मेलन में मुझे आसियान देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मिलने और पिछले वर्ष आसियान क्षेत्र के साथ भारत की आर्थिक बातचीत में हुई प्रगति की समीक्षा करने का मौका मिलेगा। हम ऐसी पहल पर भी विचार करेंगे जिससे सहयोग की इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। मैं समझता हूं कि भारत-आसियान एफटीए एक ऐसी पहल है जिससे इतने बड़े आर्थिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा और मैं इस अवसर पर कहना चाहूंगा कि ऐसे कदम उठाए जाने चाहिए जिससे दोनों ही पक्ष इस महत्वपूर्ण समझौते को पूरा करने में तेजी दिखा सकें।

15 जनवरी को होने वाले दूसरे पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन से पिछले वर्ष शुरू की गई प्रक्रिया को आगे ले जाने का मौका मिलेगा ताकि पूर्व एशिया के देशों के बीच अधिक सहयोग और आर्थिक एकीकरण के लिए एक क्षेत्रीय ढ़ांचा खड़ा किया जा सके। पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन के एजेंडा में ऊर्जा सुरक्षा, क्षेत्रीय वित्तीय व्यवस्था का स्थायित्व, प्राकृतिक आपदाओं को कम करना, पर्यावरण और ऐसे अन्य साझे विषय शामिल हैं जिनसे एक व्यापक साझे तंत्र के भीतर कारगर तरीके से निपटा जा सकता है।

शिखर सम्मेलन के साथ-साथ मुझे हमारी मेजबान फिलिपीन्स की राष्ट्रपति सुश्री अरोयो सहित अन्य देशों के प्रधानमंत्रियों से भी मिलने का मौका मिलेगा जिनमें चीन के प्रधानमंत्री श्री वेन जियाबो, वियतनाम के प्रधानमंत्री गुयेन तान डंग शामिल हैं।

मैं आशा करता हूं कि मेरी इस यात्रा से दक्षिण-पूर्व एशिया और पूर्व एशिया के साथ भारत के संबंध नई उंचाईयों को छुएंगे।

.....